This Question paper shared by Afsar from Nashik District. Thanks Afsar.

First Preliminary Exam - 2022

Time : **3.00** Hrs.

Std. : **XII (Com/Sci.)** Sub. : **HINDI** Mark : **80**

**सूचनाएँ :** (१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें ।

## विभाग १ : गद्य (२० अंक)

**प्र.१(अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।** (६)

ऊपर की घटना को बारह बारह बीत गए। जगत में बहुत-से परिवर्तन हो गए। कई बस्तियाँ उजड़ गईं। कई वन बस गए। बूढ़े मर गए। जो जवान थे; उनके बाल सफेद हो गए।

अब बैजू बावरा जवान था और रागविद्या में दिन-ब-दिन आगे बढ़ रहा था। उसके स्वर में जादू था और तान में एक आाचर्यमयी मोहिनी थी। गाता था तो पत्थर तक पिघल जाते थे और पशु-पंछी तर मुग्ध हो जाते थे। लोग सुनते थे और झूमते थे तथा वाह-वाह करते थे। हवा रुक जाती थी। एक समाँ बँध जाता था।

एक दिन हरिदास ने हँसकर कहा – "वत्स ! मेरे पास जो कुछ था, वह मैंने तुझे दे डाला। अब तू पूर्ण गंधर्व हो गया है। अब मेरे पास और कुछ नहीं, जो तुझे दूँ।"

बैजू हाथ बाँधकर खड़ा हो गया । कृतज्ञता का भाव आँसुओ के रुप में बह निकला। चरणों पर सिर रखकर बोला – "महाराज ! आपका उपकार जन्म भर सिर से न उतरेगा।"

हरिदास सिर हिलाकर बोले – "यह नहीं बेटा ! कुछ और कहो। मैं तुम्हारे मुँह से कुछ और सुनना चाहता हूँ।"

बैजू – "आज्ञा कीजिए।"

हरिदास – "तुम पहले प्रतिज्ञा करो ।"

बैजू ने बिना सोच-विचार किए कह दिया – "मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि..... "

हरिदास ने वाक्य को पूरा किया – "इस रागविद्या से किसी को



Contact us: @SahajAdhyayan Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

हानि न पहुँचाऊँगा ।"

बैजू का लहू सूख गया। उसके पैर लड़खड़ाने लगे। सफलता के बाग परे भागते हुए दिखाई दिए। बारह वर्ष की तपस्या पर एक क्षण में पानी फिर गया। प्रतिहिंसा की छरी हाथ आई तो गुरु ने प्रतिज्ञा लेकर कुंद कर दी। बैजू ने होंठ काटे, दाँत पीसे और रक्त का घूँट पीकर रह गया। मगर गुरु के सामने उसके मुँह से एक शब्द भी न निकला। गुरु गुरु था, शिष्य शिष्य था। शिष्य गुरु से विवाद नहीं करता।

**(१) संजाल पूर्ण कीजिए।** (२)

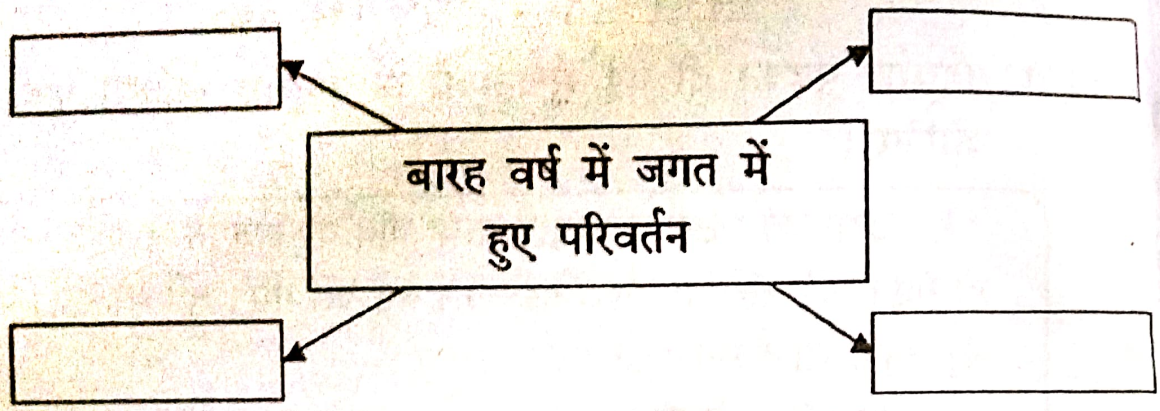


**(२) उत्तर लिखिए ।** (२)

जवान बैजू के संगीत की विशेषताएँ –

(i) ..................................................

(ii) ..................................................

(iii) ..................................................

(iv) ..................................................

(३) 'कृतज्ञता मनुष्य का उत्तम गुण है' इस विषय पर ४० ते ५० शब्दों में अपना मत लिखिए। (२)

**प्र.१(आ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (६)**

सी. एफ.सी. यौगिकों का एक खास गुण है कि ये नष्ट नहीं होते. इनका न तो ऑक्सीकरण होता है और न ही अपघटन । ये पानी में भी नहीं घुलते। यहाँ स्वाभाविक रुप से सवाल उठता है कि इस्तेमाल में आनेवाले इन यौगिकों का आखिर होता क्या है ? सबसे पहले एक अमेरिकी वैज्ञानिक एफ.एस. रोलैंड का ध्यान इस प्रश्न की ओर गया। उन्होंने इस दिशा में लगातार कई वर्षों तक अनुसंधन किया। उनका शोधपत्र जब १९७४ में

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.      Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

This Question paper shared by Afsar from Nashik District. Thanks Afsar.

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

'नेचर' नामक प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रकाशित हुआ तो पूरी दुनिया में एक हलचल-सी मच गई। अपने पत्र में रोलैंड ने निष्कर्ष दिया था कि ये यौगिक धरती की ओजोन परत को नष्ट कर चुके है। शुरु में लोगों ने रोलैंड की बातों को कोई खास अहमियत नहीं दी। कुछ लोगों ने उन्हें 'आंतकित पर्यावरणवादी' कहकर उनका उपहास किया लेकिन कुछ ही साल बाद १९८५ ई. में ब्रिटिश सर्वे टीम के कार्यों से रौलैंड की बात सही साबित हो गई। टीम ने न केवल ओजोन विघटन की पुष्टि की बल्कि अध्ययन करके बताया कि दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में ओजोन की परत काफी छीज चुकी है और उसकी वजह से वहाँ एक बड़ा छिद्र हो गया है। अमेरिकी उपग्रह निंबस द्वारा भेजे गए चित्र से भी रौलैंड की बात की पुष्टि हुई। ब्रिटिश टीम ने चेताया भी कि यदि बहुत जल्दी ओजोन विघटन को न रोका गया तो ओजोन परत के छीजने से आनेवाली परागैंगनी किरणों से धरती के तापमान में वृद्धि होगी तथा अनेकानेक तरह की त्वचा संबंधी व्याधियाँ फैलेंगी। त्वचा के कैंसर के रोगियों की संख्या लाखों में होगी।

सी. एफ. सी. रसायन चूँकि हवा से हल्के होते हैं : अत: इस्तेमाल में आने के बाद मुक्त होकर ये सीधे वातावरण में ऊँचाई पर चले जाते हैं। वायुमंडल में ऊपर पहुँचने पर ये यौगिक पराबैंगनी किरणों के संपर्क में आते हैं जहाँ इनका प्रकाश अपघटन (फोटोलिसिस) होता है। फोटोलिसिस से क्लोरीनमुक्त मूलक पैदा होते हैं। क्लोरीन के ये मुक्त मूलक ओजोन से अभिक्रिया करके उसे ऑक्सीजन में बदल देते हैं। इस तरह ओजोन का ऱ्हास होने से ओजोन की परत धीरे-धीरे छीजती जा रही है। वस्तुत: आज ओजोन छतरी का अस्तित्व ही संकट में पड़ गया है। जिस सी. एफ. सी को हम निष्क्रिय समझते थे; वह इतनी सक्रिय है कि उससे निकला एक क्लोरीनमुक्त मूलक ओजोन गैस के एक लाख अणुओं को तोड़कर ऑक्सीजन में बदल देता है। ऐसा श्रृंखला अभिक्रिया के कारण होता है। यहाँ गौरतलब है कि सन १९७४ में पूरी दुनिया में सी. एफ. सी. की खपत ९ लाख टन थी। पिछले कई वर्षों के शोध से मालूम हुआ है कि दक्षिणी ध्रुव के ऊपर मौजूद छिद्र आकार में बढ़ता जा रहा है। हाल के वर्षों में उत्तरी ध्रुव के ऊपर भी ओजोन के विघटन और ओजोन आवरण में छिद्र पाए जाने की सूचना मिली है जो बेहद चिंतनीय है।



8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

(१) संजाल पूर्ण कीजिए।

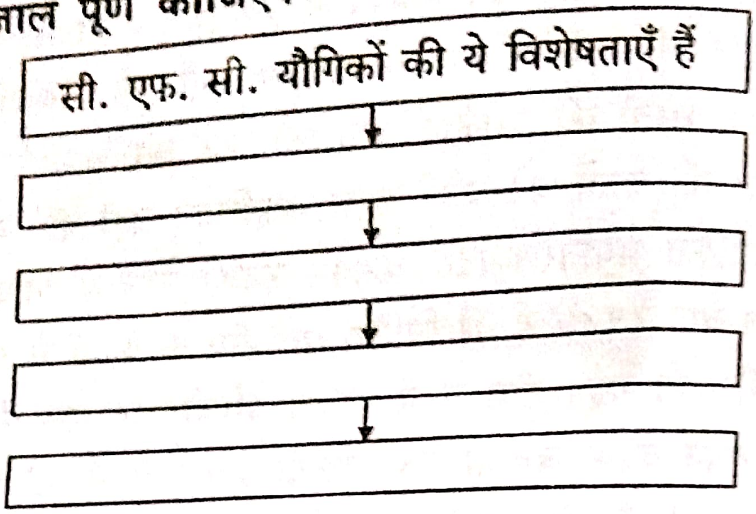


(२) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए । (२)

जवान बैजू के संगीत की विशेषताएँ –

(i) अवगुण × .......... (ii) अंधकार × ..........

(iii) नीचे × .......... (iv) भारी × ..........

(३) 'भौतिक विकास के कारण उत्पन्न होनेवाली समस्याओं' के बारे में ४० ते ५० शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (६)

(i) पाप के चार हथियार पाठ का संदेश लिखिए।

(ii) 'सूनो किशोरी' पाठ के आधार पर रुढ़ि–परंपरा तथा मूल्यों के बारे में लेखिका के विचार स्पष्ट कीजिए।

(iii) आज़ोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए।

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (कोई दो) (२)

(i) 'जिंदगी मुस्कुराई' निबंध संग्रह है –

(ii) 'पुष्पलता' कहानी संग्रह के लेखक का नाम लिखिए।

(iii) कन्हैयालाल मिश्र जी के संस्मरण एवं रेखाचित्रों के नाम लिखिए।

(iv) डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र जी की रचनाएं बताइए।



Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.    Contact us: @SahajAdhyayan
8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp : Hi.

This Question paper shared by Afsar from Nashik District. Thanks Afsar.

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.     Contact us: @SahajAdhyayan

## विभाग २ : पद्‍य (२० अंक)

प्र.२(अ) निम्नलिखित पद्‍यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

जहाँ भी खड़ा हो
सड़क, झील या कोई पहाड़
भेड़िया, बाघ, शेर की दहाड़
पेड़ किसी से नहीं डरता है!

हत्या या आत्महत्या नहीं करता है पेड़।
थके राहगीर को देकर छाँव व ठंडी हवा
राह में गिरा देता है फूल
और करता है इशारा उसे आगे बढ़ने का।
पेड़ करता है सभी का स्वागत,
देता है सभी को विदाई।
गाँव के रास्ते का वह पेड़
आज भी मुस्कुरा रहा है।
हालाँकि वह सीधा नहीं, टेढ़ा पड़ा है
सच तो यह है कि –
रात भर तूफान से लड़ा है
खुद घायल है वह पेड़
लेकिन क्या देखा नहीं तुमने
उसपर अब भी सुरक्षित
चहचहाते हुए चिड़िया के बच्चों का घोंसला है
जी हाँ, सच तो यह है कि
पेड़ बहुत बड़ा हौसला है।

(१) कृति पूर्ण कीजिए। (२)

(i) पेड़ कभी नहीं करता है → ______ , ______

(ii) पेड़ नहीं डरता है → ______ , ______



8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए। (२

(i) बच्चा - .......... (ii) बाघ - ..........

(iii) शेर - .......... (iv) ठंडी - ..........

(३) "पेड़, पक्षी और मनुष्य के लिए परोपकारी है" इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए। (२)

प्र.२(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

> आँखों में बहुत बाढ़ है, शेष सब कुशल।
> जीवन नहीं अषाढ़ है, फिर शेष सब कुशल।
>
> सड़क ने जब मेरे पैरों की उँगलियाँ देखीं;
> कड़कती धूप में सीने पे बिजलियाँ देखीं।
>
> साँस हमारी हमें पराये धन-सी लगती है,
> साहुकार के घर गिरवी कंगन-सी लगती है।
>
> किसी का सर खुला है तो किसी के पाँव बाहर हैं,
> जर ढंग से तू अपनी चादरों को बुन मेरे मालिक।
>
> वह जो मजदूर मरा है, वह निरक्षर था मगर,
> अपने भीतर वह रोज, इक किताब लिखता था।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

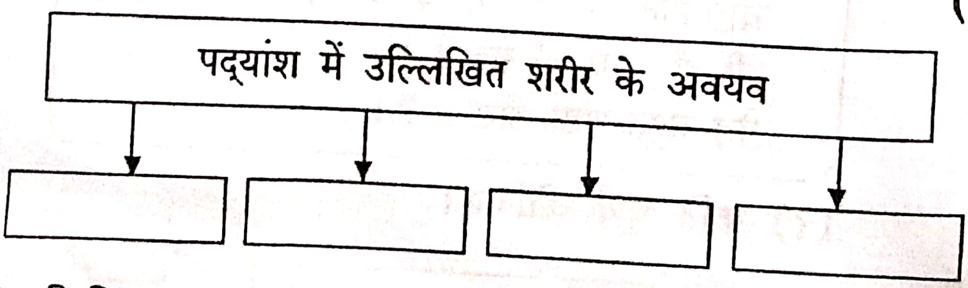


(२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचान कर लिखिए। (२)

(i) किताब - .......... (ii) साहुकार - ..........

(iii) कंगन - .......... (iv) आँख - ..........

(३) 'क्रांति कभी भी अपने-आप नहीं आती, वह लाई जाती है' इस कथन पर अपने विचार ४० ते ५० शब्दों में लिखिए। (२)



Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

This Question paper shared by Afsar from Nashik District. Thanks Afsar.

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.     Contact us: @SahajAdhyayan

(इ) निम्नलिखित मुद्दो के आधार पर 'नव निर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए । (६)

(१) रचनाकार का नाम -     (२) पसंद की पंक्तियाँ -
(३) पसंद के कारण -     (४) कविता की केंद्रिय कल्पना -

**अथवा**

'गुरुनिष्ठा और भक्ति भाव से ही मानव श्रेष्ठ बनता है' इस कथन के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (कोई दो) (२)

(i) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम -
(ii) गुरुनानक जी की भाषा शैली की विशेषताएँ -
(iii) वृंद जी की प्रमुख रचनाएँ -
(iv) डॉ. मुकेश गौतम जी की रचनाएँ -

## विभाग ३ : विशेष अध्ययन (१० अंक)

प्र.३(अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार आकृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व,
शब्द, शब्द, शब्द ........
मेरे लिए नितांत अर्थहीन हैं -
मैं इन सबके परे अपलक तुम्हें देख रही हूँ
हर शब्द को अँजुरी बनाकर
बूँद-बूँद तुम्हें पी रही हूँ।
    और तुम्हारा तेज
    मेरे जिस्म के एक-एक मूर्च्छित संवेदन को
    धधका रहा है।
और तुम्हारे जादू भरे होंठों से
रजनीगंधा के फूलों की तरह टप-टप शब्द झर रहे हैं
एक के बाद एक के बाद एक.....
    कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व....
    मुझ तक आते-आते सब बदल गए हैं
    मुझे सुन पड़ता है केवल
    राधन, राधन, राधन



8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

(१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

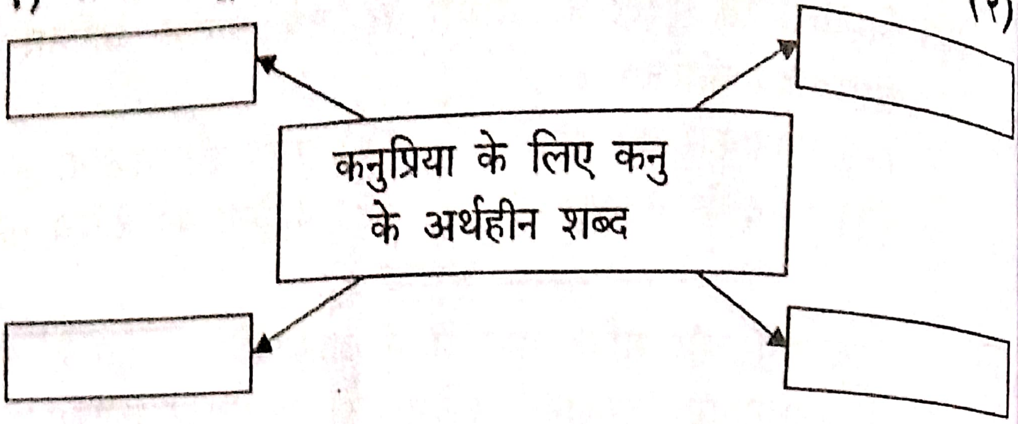


(२) पद्यांश में प्रयुक्त शब्द युग्म ढूँढ़कर लिखिए। (२)

(१) ................ (२) ..................

(३) ................ (४) ..................

(३) "मनुष्य को एक-दूसरे के साथ प्रेम से रहना चाहिए" इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

प्र.३(आ) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (४)

(i) कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) कृष्ण के प्रति राधा के उत्कट प्रेम को 'कनुप्रिया' के माध्यम से समझाइए।

## <u>विभाग ४ : व्यावहारिक हिंदी/अपठित गद्यांश/ पारिभाषिक शब्दावली</u> (२० अंक)

प्र.४(अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों लिखिए। (६)

(१) समाज सेवक डॉ. प्रकाश आमटे पर फीचर लेखन कीजिए।

**<u>अथवा</u>**

(२) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

अच्छे मंच संचालक के लिए आवश्यक है - अच्छी तैयारी। वर्तमान समय में संगीत संध्या, बर्थ डे पार्टी या अन्य मंचीय कार्यक्रमों के लिए मंच संचालन आवश्यक हो गया है। मैंने भी इस तरह के अनेक कार्यक्रमों के लिए सूत्र संचालन किया है। जिस तरह का कार्यक्रम हो, तैयारी भी उसी



Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan
8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

This Question paper shared by Afsar from Nashik District. Thanks Afsar.

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.    Contact us: @SahajAdhyayan

के अनुसार करनी होती है। मैं भी सर्वप्रथम यह देखता हूँ कि कार्यक्रम का स्वरूप क्या है ? सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, कवि सम्मेलन, मुशायरा या सांस्कृतिक कार्यक्रम ! फिर उसी रूप में मैं कार्यक्रम का संहिता लेखन करता हूँ। इसके लिए कड़ी साधना व सतत प्रयास आवश्यक है। कार्यक्रम की सफलता सूत्र संचालक के हाथ में होती है। वह दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है। ससलिए संचालक को चाहिए कि वह संचालन के लिए आवश्यक तत्त्वों का अध्ययन करें। सूत्र संचालक के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण गुणों का होना आवश्यक है। हँसमुख, हाजिरजवाबी, विविध विषयों का ज्ञाता होने के साथ-साथ उसका भाषा पर प्रभुत्व होना आवश्यक है। कभी-कभी किसी कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्तन होने की संभावना रहती है। यहाँ सूत्र संचालक के भाषा प्रभुत्व की परीक्षा होती है। पूर्व निर्धारित अतिथियों का न आना, यदि आ भी जाए तो उनकी दिनभर की कार्य व्यस्तता का विचार करते हुए कार्यक्रम पत्रिका में संशोधन/सुधार करना पड़ता है। आयोजकों की ओर से अचानक मिली सूचना के अनुसार संहिता में परिवर्तन कर संचालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना ही सूत्र संचालक की विशेषता होती है।

**(१) संजाल पूर्ण कीजिए।** (२)

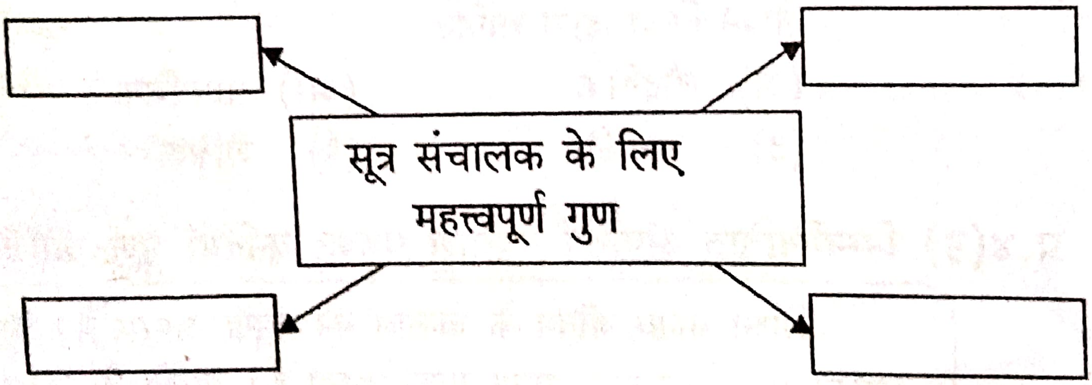


**(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।** (२)

(i) अतिथियों - ............ (ii) संभावना - ..........

(iii) प्रयास - ............. (iv) पत्रिका - ........

(३) "दूरदर्शन कार्यक्रम के अच्छे सूत्र संचालक बनने की कामना" इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए। (२)

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

प्र.४(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (४)

(i) पल्लवन की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(ii) ब्लॉग लेखन से तात्पर्य।

**अथवा**

**सही विलक्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।** (४)

(१) लेखक आनंद प्रकाश सिंह ने रेडिओ उद्‌घोषक पद पर इतने वर्ष तक सेवाएँ प्रदान की :

(अ) १५ (आ) २९

(इ) १८ (ई) २३

(२) हिंदी में यह शब्द अंग्रेजी 'Expansion' शब्द के प्रतिशब्द के रुप में आता है :

(अ) उद्‌घोषक (आ) पत्रकारिता

(इ) पल्लवन (ई) मंच संचालक

(३) 'ब्लॉग' अपना विचार, अपना मत व्यक्त करने का एक माध्यम है :

(अ) डिजिटल (आ) प्रसारण

(इ) सामाजिक (ई) प्रचार

(४) पाठक की मानसिक योग्यता और पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर फीचर लेखन किया जाना चाहिए :

(अ) बौद्‌धिक (आ) सामाजिक

(इ) राजकीय (ई) शैक्षिक

**प्र.४(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए।** (६)

शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है। शिक्षाविहीन व्यक्ति पशु के समान जीवन यापन करता है। व्यक्ति के अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं तो अपना मार्ग बनाता ही है, साथ ही दूसरों का भी मार्गदर्शन करता है। शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्‌ध अधिकार है। नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते रहे हैं। आवश्यकता है प्रौढ़ों को शिक्षा प्रदान करने की, अथवा १४ वर्ष की आयु से अधिकवाले वे सभी व्यक्ति जो अशिक्षित हैं अथवा हम कह सकते हैं कि वे सभी व्यक्ति जो समय से



Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके और न पा रहे हैं। शिक्षा के इतने प्रचार व प्रसार हो जाने पर भी व्यक्ति अपने धन का सही उपयोग नहीं कर पाता और न ही भोल-भाला किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाता है। आज भी वह साहूकार और अन्य लोगों के दूवारा आसानी से ठग लिया जाता है। स्वतंत्रता से पूर्व व्यक्ति की स्थिति शिक्षा के क्षेत्र में बहुत खराब थी।

**(१) संजाल पूर्ण कीजिए।** (२)

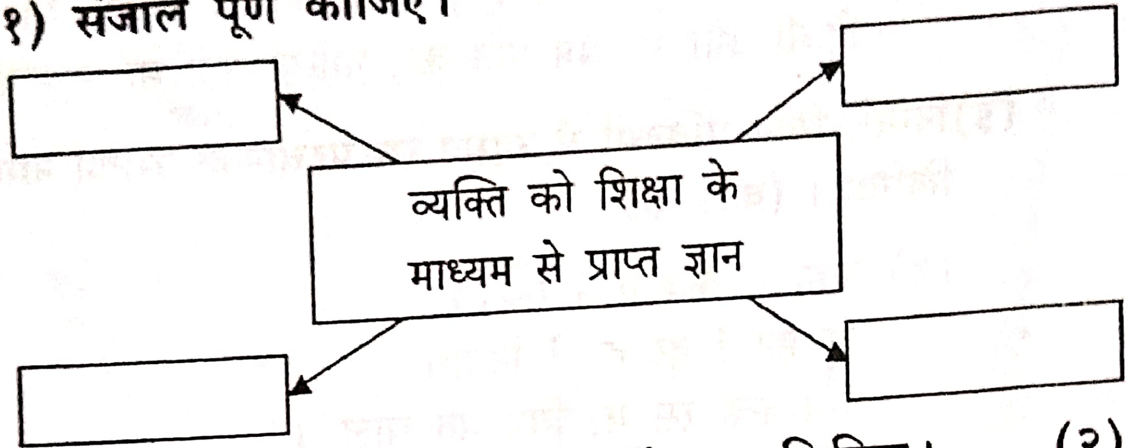


**(२) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।** (२)

(i) पशु - ............ (ii) मूल्य - .........

(iii) स्वयं - .............. (iv) बालक - ........

(३) "शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक मनुष्य का जन्म सिद्‌ध अधिकार है" इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

**(ई) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए।** (४)

(i) Agenda - (ii) Commissioner -

(iii) Judge - (iv) warning -

(v) Balance - (vi) Payment -

(vii) Speed - (viii) Output -

## विभाग ५ : व्याकरण (१० अंक)

**प्र.५(अ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का काल परिवर्तन कीजिए।** (२)

(१) सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलना मुश्लिक होता है। (अपूर्ण वर्तमान काल)

(२) मैं पता लगाकर आता हूँ। (सा. भविष्यकाल)

(३) काठ की हांडी दुबारा नही चढ़ेगी ।(सा. वर्तमानकाल)

(४) आज उसके सामने एक उस्ताद बैठेगा। (पूर्ण भूतकाल)

(ii) .....

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE.   Contact us: @SahajAdhyayan

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi

This Question paper shared by Afsar from Nashik District. Thanks Afsar.

Free Practice Question Papers for 10th, 11th, 12th, MHT-CET, NEET, JEE. Contact us: @SahajAdhyayan

**(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में से उद्धृत अलंकार पहचानकर उनका नाम लिखिए।** **(२)**

(१) चरण - कमल - सम कोमल
(२) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
(३) उस क्रोध के मारे तनु उसका काँपने लगा।
मानो हवा के जोर से सोता हुा सागर जगा।
(४) एक म्यान में दो तलवारे, कभी नही रह सकती है।
किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नही सह सकती है।

**(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए। (कोई दो)** **(२)**

(१) कहा - कैकयी ने सक्रोध
दूर हट ! दूर हट ! निर्बोध
द्विजिव्हें रस में, विष मत घोल ।

(२) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत है, नैननु ही सौं बात।

(३) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारी।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंज हारि ।

(४) एक अंचभा देखा रे भाई ।
ठाड़ा सिंह चरावै गाई ।
पहले पूत पाछे माई।
चेला के गुरु लागे पाई ।

**(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (कोई दो)** **(२)**

(१) दिन दूना रात चौगुना बढ़ना - (२) कटे पर नमक छिड़कना -
(३) तूती बोलना - (४) कान भरना -

**(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। (कोई दो)** **(२)**

(१) सत्य की मार्ग सरल है।
(२) वह स्वरग का अमरित है।
(३) उसका नाक कट गया।
(४) वह उसका काम कर रहे हैं।



★ ★ ★

8552892890 save our number as *Sahaj Adhyayan* ... & message us on WhatsApp... Hi